कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
MINISTRY OF AGRICULTURE AND FARMERS WELFARE

ग्रामीण विकास मंत्रालय
भारत सरकार
MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT
GOVERNMENT OF INDIA

प्राकृतिक खेती

में उपयोगी इनपुट

राष्ट्रीय जैविक और प्राकृतिक खेती केंद्र

हापुड रोड, कमला नेहरू नगर, गाजियाबाद-2

☎ 0120-2764212; 2764906; Fax 0120-2764901

Email: nbdc@nic.in

प्राकृतिक खेती में कौन से इनपुट का उपयोग किया जाता है?

बीजामृत

- **प्रयुक्त सामग्री**
  - पानी - 20 लीटर
  - गाय का गोबर - 5 कि.ग्रा
  - गौमूत्र - 5 लीटर
  - चूना - 50 ग्राम
  - राइज़ोस्फेरिक मिट्टी – मुट्ठीभर

- तैयारी
  - 5 किलो देसी गाय का गोबर लें और उसे एक सूती कपड़े में लपेट लें।
  - बाल्टी में 20 लीटर पानी लें और कपड़े में लपेटा हुआ 5 किलो गोबर उसमें डुबो दें।
  - इसे 12 से 16 घंटे के लिए छोड़ दें ताकि गोबर का अर्क पानी में आजाए
  - 1 लीटर पानी वाले दूसरे बर्तन में 50 ग्राम चूना लें
  - अब उपरो क्त दोनों तैयारियों को मिलाएं और इसमें 50 ग्राम राइजोस्फेरिक मिट्टी मिलाएं।
  - इसमें 5 लीटर गौमूत्र मिलाएं और तैयार घो ल को 8-12 घंटे के लिए छोड़ दें।
  - अब बीजामृत बीज उपचार केलिए तैयार है।

- **उपयोग कैसे करें?**

  किसी भी फसल के बीज में बीजामृत मिलाएं; उन्हें हाथ से मिला कर कोट करें; इन्हें अच्छी तरह सुखा लें और बुआई केलिए इस्तेमाल करें; फलीदार बीजों केलिए, जिनमें बीज की परत पतली हो सकती है, बस उन्हें जल्दी से डुबोएं और सूखने दें।

फायदे-

- बीजों की व्यवहार्यता बढ़ाएँ
- बीज जनित रोगों को रोकता है।

जीवामृत

- **प्रयुक्त सामग्री**
  - पानी - 200 लीटर
  - गाय का गोबर - 10 कि.ग्रा
  - गौमूत्र - 10 लीटर
  - गुड़ - 2 किलो
  - पल्स फ्लोर - 2 किग्रा
  - राइज़ोस्फेरिक मिट्टी – मुट्ठीभर

- तैयारी
  - एक एकड़ खेत के लि ए एक बैरल में 200 लीटर पानी लें।
  - उपरोक्त बैरल में 10 लीटर गौमूत्र, अधिमा नतः देसी गौमूत्र डालें
  - उपरोक्त घोल में 10 किलो गाय का गोबर मिलाएं
  - उपरोक्त घोल में 2 किलो गुड़ मिलाएं
  - उपरोक्त घोल में 2 किलो कोई भी दाल का आटा, अधिमानतः बेसन मिलाएं
  - उपरोक्त घोल में मुट्ठीभर राइजोस्फेरिक मिट्टी मिलाएं
  - उपरोक्त सभी सामग्रियों को लकड़ी की छड़ी की मदद से घड़ी की सुई की दिशा में घुमाते हुए अच्छी तरह मिला लें।
  - बैरल को जूट के थैले से ढककर रखें।
  - किण्वन केलिए इस घोल को 48 घंटे तक छाया में स्थिर रखें।

- **उपयोग कैसे करें?**
  - पानी से स्प्रे करें
  - सिंचाई के पानी के साथ लगाएं

- **फायदे**
  - उपज बढ़ाने में कार्य करने के साथ-साथ विकास और फूलों के विकास को बढ़ावा देता है (@पानी के साथ 5-10% स्प्रे)
  - मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाता है (जब सिंचाई के पानी के साथ प्रयोग किया जाता है)

घन- जीवामृत

- ## प्रयुक्त सामग्री
  - गाय का गोबर - 100 कि.ग्रा
  - गौमूत्र - आवश्यकता नुसानुसार
  - गुड़ - 1 किलो
  - पल्स फ्लोर - 2 किग्रा
  - राइज़ोस्फेरिक मिट्टी - मुट्ठी भर

- ## तैयारी
  - 100 किलो अच्छी तरह सूखा हुआ गाय का गोबर लें और इसे एक पतली परत के रूप में जमीन पर समान रूप से फैलाएं।
  - इसमें थोड़ी मात्रा में गौमूत्र मिलाएं।
  - गाय के गोबर पर 1 किलो दाल का फर्श डालें।
  - 2 किलो गुड़ डालें
  - मुट्ठी भररा इजोस्फेरिक मिट्टी डालें।
  - उपरोक्त सभी सामग्री को अच्छी तरह मिलाकर लड्डू बना लीजिये
  - इसे सूखने दें
  - सूखने के बाद सभी लड्डुओं को कूट लें और बौरी में भरकर रख लें
  - इस सूखे घनजीवामृत को 6 महीने तक भंडारित किया जा सकता है।

- ## उपयोग कैसे करें?
  बुआई के समय प्रति एकड़ 100 कि लो ग्रा म सूखा घनजी वा मृत

- ## फायदे
  मिट्टी में माइक्रोबियल गतिविधि को बढ़ाकर भारी जैविक खाद के तेजी से अपघटन के माध्यम से पोषक तत्वों की उपलब्धता को बढ़ाता है।

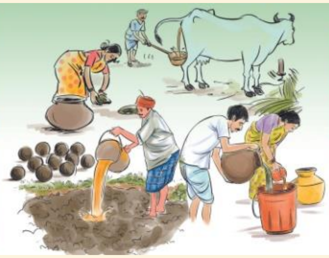

निमास्त्र

- **प्रयुक्त सामग्री**
  - नीम की पत्तियाँ - 5 कि.ग्रा
  - गौमूत्र - 5 लीटर
  - गाय का गोबर - 1 किलो
  - पानी - 100 लीटर

- तैयारी
  - पाँच किलो नीम की हरी पत्तियां लें या पांच किलो नीम के सूखे फल लें और पत्तियों या फलों को कुचलकर रख लें।
  - इस कुचले हुए नीम या फल के पाउडर को 100 लीटर पानी में मिलाएं।
  - इसमें 5 लीटर गोमूत्र डालें और एक किलो गोबर मिलाएं।
  - इसे लकड़ी से हिलाकर 48 घंटे तक ढककर रखें।
  - दिन में तीन बार घोलें और 48 घंटे बाद घोल को कपड़े से छान लें। अब फसल पर स्प्रे करें।

- **उपयोग कैसे करें?**
  - 2-3% पानी के साथ स्प्रे करें

- **फायदे:**

  रस चूसने वाले कीड़ों और छोटी इल्लियों के प्रबंधन के लिए।

ब्रम्हास्त्र

- **प्रयुक्त सामग्री**
  - नीम की पत्तियाँ - 3 किलो
  - करंज के पत्ते - 2 किलो
  - मशरीफा पत्तियां - 2 किलो
  - पपीते के पत्ते - 2 किलो
  - अमरूद की पत्ति यां - 2 किलो
  - गौमूत्र - 10 लीटर

तैयारी

- 10 लीटर गौमूत्र लें
- 03 किलो नीम की हरी पत्तियां कुचलकर डालें।
- 02 किलो कुचले हुए करंज के पत्ते डालें।
- 02 किलो कुचले हुए कस्टर्ड सेब के पत्ते डालें।
- 02 किलो पपीते की कुचली हुई पत्तियां डालें।
- 02 किलो अमरूद की कुचली हुई पत्तियां डालें।
- अब इस सारे मिश्रण को गौमूत्र में घोल लें और उबाल लें।
- 3-4 उबाल आने के बाद इसे आग से नीचे उतार लें
- इसे 48 घंटे तक ठंडा होने दें और फिर घोल को कपड़े से छान लें।
- अब घोल फसल पर छिड़का व केलिए तैयार है।

उपयोग कैसे करें?

2-3% **पानी के साथ स्प्रे करें**

फायदे:

रसचूसक कीटों तथा फली /फल छेदक कीटों के नियंत्रण केलिए।

अग्निस्त्र

- **प्रयुक्त सामग्री**
  - नीम की पत्तियाँ - 5 कि.ग्रा
  - हरी मिर्च - 0.5 कि.ग्रा
  - लहसुन - 0.5 कि.ग्रा
  - गौमूत्र - 20 लीटर

- तैयारी
  - 20 लीटर गौमूत्र लें
  - 05 किलो नीम की हरी पत्तियाँ कुचलकर मिला दें।
  - 0.5 किलो कुटी हुई हरी मिर्च डालें।
  - 0.5 किलो कुचला हुआ लहसुन डालें।
  - अब इस सारे मिश्रण को गौमूत्र में घोल लें और उबाल लें।
  - 3-4 उबाल आने के बाद इसे आग से नीचे उतार लें
  - इसे 48 घंटे तक ठंडा होने दें और फिर घोल को कपड़े से छान लें।
  - अब घोल फसल पर छिड़काव केलिए तैयार है।

- **उपयोग कैसे करें?**

  2-3% पानी के साथ स्प्रे करें

- **फायदे:**

  पेड़ के तने या डंठल में रहने वाले कीड़ों के लिए, सभी प्रकार के बड़े बॉलवर्म और कैटरपिलर।

दशपर्णी अर्क

- **प्रयुक्त सामग्री**
  - 5 किलो नीम की पत्तियां पीस लें
  - विटेक्स नेगुंडोगुंडो के पत्ते 2 किलो
  - अरिस्टोलोचिया की पत्तियां 2 किलो
  - पपीते की पत्तियां 2 किलो
  - टिनोस्पोरा कॉर्डिफ़ोलिया की पत्तियां 2 किलो
  - कस्टर्ड सेब के पत्ते 2 किलो
  - करंज के पत्ते 2 किलो
  - अरंडी के पत्ते 2 किलो
  - नेरियम इंडिकम 2 किग्रा
  - कैलोट्रोपिस प्रोसेरा पत्तियां 2 कि.ग्रा
  - हरी मिर्च का पेस्ट 2 किलो
  - लहसुन पेस्ट 250 ग्राम
  - गाय का गोबर 3 किलो
  - गौमूत्र 5 लीटर

- तैयारी
  - 200 लीटर पानी लें
  - इसमें उपरोक्त सभी सामग्रियां मिला लें
  - इसे एक महीने तक किण्वित होने दें और फिर घोल को कपड़े से छान लें।
  - अब घोल फसल पर छिड़काव केलिए तैयार है।

- **उपयोग कैसे करें?**

  2-3% पानी के साथ स्प्रे करें
- **फायदे:**

  सभी प्रकार के रस चूसने वाले कीटों और सभी इल्लियों के नियंत्रण के लिए।